

विषय-हिन्दी विशिष्ट

Set-B

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कुल 25 प्रश्न हैं।

- (ii) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। खण्ड (अ) में 5 अंक बहुविकल्पीय एवं खण्ड-(ब) में 5 अंक रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए निर्धारित हैं। कुल 10 अंक हैं।
- (iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 7 में 2 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 30 शब्द है।
- (iv) प्रश्न क्रमांक 8 से 13 में 3 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 50 शब्द है।
- (v) प्रश्न क्रमांक 14 से 19 में 4 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 75 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।
- (vi) प्रश्न क्रमांक 20 से 23 में 5 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 100 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।
- (vii) प्रश्न क्रमांक 24 एवं 25 में 8-8 अंक निर्धारित हैं। निबंध लेखन में शब्द-सीमा 250 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

1. (खण्ड-अ) सही विकल्प चुनकर लिखिए :

- (i) निबंध के दो प्रधान अंग कौन-कौन से हैं?
- (अ) सामग्री और शैली (ब) कथोपकथन और संवाद
(स) विषय-वस्तु और वातावरण (द) भाषा शैली और उपसंहार
- (ii) 'सूखी डाली' किस विधा के अन्तर्गत लिखी रचना है?
- (अ) एकांकी (ब) जीवनी
(स) निबंध (द) कहानी
- (iii) जहाँ उपमेय को उपमान से श्रेष्ठ बताया जाय, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?
- (अ) उभयालंकार (ब) विभावना
(स) अन्योक्ति (द) व्यतिरेक
- (iv) 'ये धरती करमइता के हवय' कविता के रचयिता कौन हैं?
- (अ) डॉ. उमाशंकर (ब) नेहा शुक्ला
(स) पं. श्यामलाल चतुर्वेदी (द) लक्ष्मण मस्तूरिया
- (v) बजीरा सिंह पलटन का क्या था?
- (अ) जोकर (ब) सूबेदार
(स) विदूषक (द) सैनिक

(खण्ड-ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

- (i) 'सहयोग, श्रम और शांति' दिनकर जी के काव्य से उद्धृत है।
- (ii) जिस वाक्य में एक कर्ता और एक ही क्रिया होती है, उसे कहते हैं।

(iii) कवित्त छंद में वण हात ह।

(iv) मानसरोदक खण्ड महाकाव्य से लिया गया है।

(v) लक्षण ग्रंथों की प्रधानता काल में रही।

2. विभाव किसे कहते हैं?
3. मिट्टी प्रत्नारूपा कैसे हो जाती है?
4. फ्री स्टाइल गवाही के दो उद्देश्य लिखिए।
5. आदिवासी श्रृंग कौन-सी खेती करना पसंद करते हैं?
6. सुभाष चन्द्र बोस ने माण्डले जेल को तीर्थस्थल क्यों कहा है?
7. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए :
- (i) वे परस्पर एक-दूसरे को लूट रहे थे।
(ii) वह गुणवान महिला है।
8. मंदिर परिसर को स्वच्छ क्यों रखना चाहिए?
9. "श्रद्धा धर्म की पहली सीढ़ी है।" कैसे? स्पष्ट कीजिए।
10. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :
- (i) कपाल क्रिया करना
(ii) गुदड़ी का लाल
(iii) सूत्रपात होना
11. गोकुल से लौटते हुए प्रेममग्न उद्धव की दशा का वर्णन कीजिए।
12. असफलता के धूल-कचरे से कवि का क्या अभिप्राय है?
13. चुरकी और मुरकी के चरित्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
14. पद्मावती के सौन्दर्य का सरोवर पर क्या प्रभाव पड़ा?
- अथवा
"जायसी सूफी परंपरा के कवि थे।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
15. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' अथवा आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए :
- (i) रचनाएँ (कोई दो)
(ii) भाषा तथा शैली
(iii) साहित्य में स्थान
16. "हाँ कि गर्व रथ में तुरंग-सा जितना चाहे जो जुत ले" पंक्ति का क्या आशय है? समझाइए।
- अथवा
'इन्द्रनील मणि महाचषक' सक कवि का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए।
17. "परिवार में दादाजी की भूमिका बरगद के पेड़ के समान थी।" उपयुक्त उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

अथवा

‘उसने कहा था’ कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

18. सूर्यकान्त त्रिपाठी ‘निराला’ अथवा घनानंद का परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए :

- (i) रचनाएँ (कोई दो)
- (ii) भावपक्ष एवं कलापक्ष
- (iii) साहित्य में स्थान

कवि के अनुसार समाज में सुख-समृद्धि और शांति की स्थापना के लिए कैसा परिवर्तन अपेक्षित है?

अथवा

विराट सत्ता के विषये में मनु के चिंतन को स्पष्ट कीजिए।

रायपुर नगर निगम के महापौर के पास एक शिकायती पत्र लिखिए जिसमें मुहल्ले में सफाई न होने के संबंध में शिकायत हो।

अथवा

संचालक, नवबोध प्रकाशन, रायपुर को कक्षा 12 वीं की पुस्तकें क्रय करने हेतु एक पत्र लिखिए।

21. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की संदर्भ, प्रसंग, विशेष सहित व्याख्या कीजिए :

“सच तो यह है कि ढोल की ध्वनि के साथ आनंद का कलरव, उत्सव का प्रमोद और प्रेम का संगीत—ये तीनों मिले रहते हैं। तभी इसकी कर्कशता समीपस्थ लोगों को भी कटु नहीं प्रतीत होती और दूरस्थ लोगों के लिए तो यह अत्यंत मधुर बन जाती है।”

अथवा

“संभवतः मैं ही ऐसा प्राणी है, जिसे कभी न देख पाने पर भी मनुष्य ऐसे स्मरण करता है, जैसे उसके संबंध में कुछ जानना बाकी नहीं। यह स्वाभाविक भी है। मनुष्य को संसार से बाँधने वाला विधाता मैं ही हूँ। इसी से उसे न मानकर संसार को न मानना सहज है, पर संसार को मानकर उसे न मानना असंभव ही रहता है।”

22. छायावाद की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए। तीन प्रमुख कवियों के नाम देते हुए उनकी एक-एक रचना का नाम लिखिए।

अथवा

प्रगतिवाद की तीन विशेषताएँ लिखकर तीन प्रमुख कवियों के नाम देते हुए उनकी एक-एक रचना का नाम लिखिए।

23. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ, प्रसंग, विशेष सहित व्याख्या कीजिए।

आवत गारी एक है, उलटत होत अनेक।
कह कबीर नहीं उलटिए, वही एक की एक॥
गोधन, गजधन, बाजिधन और रतनधन खान।
जब आवै संतोष धन, सब धन धूरि समान॥

अथवा

सिकता की सस्मित सीपी पर,
मोती की ज्योत्स्ना रही विचर।
लो पालें चढ़ी, उठा लंगर।
मृदु मंद-मंद, मंथर-मंथर,
लघु तरणि हंसिनी-सी सुन्दर।
तिर रही खोल पालों के पर।
निश्चल जल के शुचि दर्पण पर,
बिंबित हाक रजत पुलिन निर्भर।
दुहरे ऊँचे लगते क्षण भर।
कालाकांकर का राजभवन,
सोया जल में निश्चित प्रमन।
पलकों पर वैभव स्वप्न सघन॥

24. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

“मानव के व्यक्तित्व का निर्माण करने वाले विभिन्न तत्वों में चरित्र का सबसे अधिक महत्व है। चरित्र एक ऐसी शक्ति है, जो मानव जीवन को सफल बनाती है। चरित्र की शक्ति ही मानव जीवन में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता उत्पन्न करती है। चरित्र मनुष्य के कार्यकलाप और आचरण के समूह का नाम है। चरित्र रूपी शक्ति, बुद्धि और सम्पत्ति की शक्ति से भी महान होती है। इतिहास इस बात का गवाह है कि कई चक्रवर्ती सम्राट धन, पद और विद्या के स्वामी थे, किन्तु चरित्र के अभाव में वे अस्तित्वहीन हो गए। तन-मन की पवित्रता, कर्तव्य की भावना, परोपकार और समाज की सेवा भी चारित्रिक गुणों में ही आती हैं। मानव जीवन की सम्पूर्ण सफलता, यश और गौरव अर्जित करने के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने चरित्र को ऊँचा बनाए। व्यक्तियों का सामूहिक चरित्र राष्ट्रीय चरित्र के नाम से जाना जाता है।”

- (i) उपयुक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।
- (ii) चरित्र किसे कहते हैं?
- (iii) चरित्र की तुलना किससे की गई है?
- (iv) मानव जीवन की सफलता के लिए क्या आवश्यक है?
- (v) व्यक्तियों का सामूहिक चरित्र किसके नाम से जाना जाता है?

25. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए :

- (i) विज्ञान की उपलब्धि—कम्प्यूटर
 - (ii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन
 - (iii) छत्तीसगढ़ का पर्यटन स्थल
 - (iv) स्वच्छता अभियान में छात्रों की भूमिका
 - (iv) दहेज प्रथा—एक अभिशाप
-